कार्यवाही विवरण

M/s HD India Iron and Coal Power Private Limited द्वारा Village-Ameri-akbari, Tehsil-Bilha, District-Bilaspur (C.G.) में प्रस्तावित Greenfield Steel Plant for production of Sponge Iron (1x350 TPD & 1x200 TPD)- 1,81,500 TPA, MS Billets (I.F. 4x20 Ton, LRF 1x20 Ton & CCM 2x6/12m)- 2,32,850 TPA, Re-rolled Steel Products (Hot Charging 700 TPD & Reheating Furnce 10 TPH)- 2,25,860 TPA (Coal Gasifier 3500 Nm3/hr.), Ferro Alloys (Submerged Arc Furnace 1x9 MVA)-Si-Mn -17,000 TPA or Fe-Mn -22,000 TPA or Fe-Si -10,000 TPA or Pig Iron -34,000 TPA), Captive Power Plant (WHRB (1x40 TPH+1x20 TPH) -12 MW), & AFBC (60 TPH) -12 MW), Coal Washery-12,00,000 TPA & Fly Ash Bricks/Blocks Plant -37,500 TPA के पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु अतिरिक्त कलेक्टर एवं पीठासीन अधिकारी, कार्यालय कलेक्टर, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) की अध्यक्षता में **दिनांक 16/07/2025 को प्रातः 11:00 बजे स्थान–ग्राम–उटगन प0ह0नं0–20, तहसील–बिल्हा, जिला–बिलासपुर स्थित भूमि खसरा नं0 1283/1, छ0ग0 शासन, मद घांस शासकीय भूमि** में आयोजित लोक सुनवाई का कार्यवाही विवरण :–

भारत सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली की, ई.आई.ए. अधिसूचना 14/09/2006 (यथा संशोधित) के तहत् M/s HD India Iron and Coal Power Private Limited द्वारा Village-Ameriakbari, Tehsil-Bilha, District-Bilaspur (C.G.) में प्रस्तावित Greenfield Steel Plant for production of Sponge Iron (1x350 TPD & 1x200 TPD)- 1,81,500 TPA, MS Billets (I.F. 4x20 Ton, LRF 1x20 Ton & CCM 2x6/12m)- 2,32,850 TPA, Re-rolled Steel Products (Hot Charging 700 TPD & Reheating Furnce 10 TPH)- 2,25,860 TPA (Coal Gasifier 3500 Nm3/hr.), Ferro Alloys (Submerged Arc Furnace 1x9 MVA)-Si-Mn -17,000 TPA or Fe-Mn -22,000 TPA or Fe-Si -10,000 TPA or Pig Iron -34,000 TPA), Captive Power Plant (WHRB (1x40 TPH+1x20 TPH) -12 MW), & AFBC (60 TPH) -12 MW), Coal Washery-12,00,000 TPA & Fly Ash Bricks/Blocks Plant -37,500 TPA के पर्यावरणीय स्वीकृति के संबंध में लोक सुनवाई हेतु सर्वसंबंधितो को सूचना के लिए **स्थानीय समाचार पत्र दैनिक भास्कर, बिलासपुर में दिनांक 14/06/2025 तथा राष्ट्रीय समाचार पत्र द पायोनियर, नई दिल्ली के मुख्य संस्करण में दिनांक 14/06/2025 को सूचना प्रकाशित करवाई गई थी।** तद्नुसार लोक सुनवाई दिनांक **16/07/2025 को प्रातः 11:00 बजे स्थान ग्राम–उटगन प0ह0नं0–20, तहसील–बिल्हा, जिला–बिलासपुर स्थित भूमि खसरा नं0 1283/1, छ0ग0 शासन, मद घांस शासकीय भूमि** में आयोजित की गई।

ई.आई.ए. अधिसूचना 14/09/2006 (यथा संशोधित) के प्रावधानों के अनुसार ड्राफ्ट ई.आई.ए. रिपोर्ट, कार्यपालक सार की प्रति (हिन्दी व अंग्रेजी) एवं इसकी सी.डी. (साफ्ट कापी) जन सामान्य के अवलोकन/पठन हेतु कलेक्टर, कार्यालय कलेक्टर, जिला–बिलासपुर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, कार्यालय, जिला पंचायत बिलासपुर,

जिला–बिलासपुर, अनुविभागीय अधिकारी (रा0), कार्यालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बिल्हा, जिला–बिलासपुर, कार्यालय मुख्य महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, बिलासपुर, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, कार्यालय, नगर पंचायत बिल्हा, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) क्षेत्रीय कार्यालय, क्षेत्रीय अधिकारी, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, व्यापार विहार पं. दीनदयाल उपाध्याय पार्क के पास, बिलासपुर, **सरपंच/सचिव कार्यालय ग्राम पंचायत/ग्राम–अमेरी–अकबरी, उटगन, गोडही, दगौरी, केवनछी, डोडकी, निपनिया, पेण्डरवां, भैंसबोर्ड, हरदी, हिर्री, अर्टरा, चोरहाभैना, मुरकुटा, मोहतरा, सिलयारी, अमलडीहा, कुनवापाली, खपरी, बरतोरी, गुमा, तहसील–बिल्हा, जिला–बिलासपुर (छ.ग.)** डायरेक्टर, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन, मंत्रालय, भारत सरकार, इंदिरा पर्यावरण भवन, वायु विंग, जोरबाग रोड़, नई दिल्ली, क्षेत्रीय अधिकारी, एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, अरण्य भवन, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर–19, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर (छ.ग.) एवं मुख्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, पर्यावास भवन, नॉर्थ ब्लॉक, सेक्टर – 19, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर (छ.ग.) में रखी गई थी। परियोजना के संबंध में सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां एवं आपत्तियां सूचना प्रकाशन जारी होने के दिनांक से 30 दिन के अंदर क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, बिलासपुर(छ.ग.) में लिखित रूप से कार्यालयीन समय में प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया था। इस दौरान लोक सुनवाई के संबंध में सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां/आपत्तियों के संबंध में इस कार्यालय को 15 आवेदन पत्र प्राप्त हुआ हैं।

लोक सुनवाई हेतु निर्धारित तिथि **दिनांक 16/07/2025 को प्रातः 11:00 बजे स्थान ग्राम–उटगन प0ह0नं0–20, तहसील–बिल्हा, जिला–बिलासपुर स्थित भूमि खसरा नं0 1283/1, छ0ग0 शासन, मद घांस शासकीय भूमि** में आयोजित की गई। लोक सुनवाई की कार्यवाही नियत समय पर आरंभ की गई।

सर्वप्रथम श्री शिवकुमार बनर्जी, अतिरिक्त कलेक्टर एवं पीठासीन अधिकारी, कार्यालय कलेक्टर, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) द्वारा लोक सुनवाई की कार्यवाही आरंभ करने की अनुमति के साथ श्रीमती रश्मि श्रीवास्तव, क्षेत्रीय अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, बिलासपुर द्वारा भारत शासन, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी ई.आई.ए. नोटिफिकेशन 14/09/2006 (यथा संशोधित) के परिपेक्ष्य में लोक सुनवाई के महत्व एवं प्रकिया के संबंध में विस्तृत जानकारी उपस्थित लोगों को दी गई।

तत्पश्चात् परियोजना प्रस्तावक की ओर से उद्योग प्रतिनिधि श्री हेमंत अग्रवाल संचालक, M/s HD India Iron and Coal Power Private Limited द्वारा **श्री अमन वर्मा, पर्यावरण**

सलाहकार, वरदान एनवायरोनेट एलएलपी, प्लाट नंबर 82 ए, आईएमटी मानेसर, सेक्टर–5, गुरूग्राम (हरियाणा) के द्वारा M/s HD India Iron and Coal Power Private Limited द्वारा Village-Ameriakbari, Tehsil-Bilha, District-Bilaspur (C.G.) में प्रस्तावित Greenfield Steel Plant for production of Sponge Iron (1x350 TPD & 1x200 TPD)- 1,81,500 TPA, MS Billets (I.F. 4x20 Ton, LRF 1x20 Ton & CCM 2x6/12m)- 2,32,850 TPA, Re-rolled Steel Products (Hot Charging 700 TPD & Reheating Furnce 10 TPH)- 2,25,860 TPA (Coal Gasifier 3500 Nm3/hr.), Ferro Alloys (Submerged Arc Furnace 1x9 MVA)-Si-Mn -17,000 TPA or Fe-Mn -22,000 TPA or Fe-Si -10,000 TPA or Pig Iron -34,000 TPA), Captive Power Plant (WHRB (1x40 TPH+1x20 TPH) -12 MW), & AFBC (60 TPH) -12 MW), Coal Washery-12,00,000 TPA & Fly Ash Bricks/Blocks Plant -37,500 TPA के परियोजना के संबंध में संक्षिप्त जानकारी से जनसामान्य को अवगत कराया गया।

तत्पश्चात अतिरिक्त कलेक्टर एवं पीठासीन अधिकारी, कार्यालय कलेक्टर, जिला–बिलासपुर द्वारा उपस्थित जनसमुदाय को लोकसुनवाई संबंधी विषय पर अपने सुझाव, आपत्ति, विचार, टीका–टिप्पणी, मौखिक अथवा लिखित रूप से प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया।

तत्पश्चात् उपस्थित लोगों ने मौखिक रूप से सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां/आपत्तियां दर्ज कराया गया। जिसका विवरण निम्नानुसार है :–

1. **श्री चेतन मंगेशकर, ग्राम–अमेरी–अकबरी, वार्ड नं. 10 पंच** :– ग्राम पंचायत में कंपनी लगी है सर, ठीक है, हम लोकल लोगों को रोजगार मिलेगा। ये बहुत अच्छा है उद्योग आये और हमारे छत्तीसगढ का विकास होगा। बहुत अच्छा काम होगा।

2. **श्रीमती दिलवरी कुंवारी, ग्राम–सेवार** :– यहां प्लांट खुलना चाहिए, मतलब खुलना चाहिए।

3. **श्रीमती दसमत, ग्राम–मोहभट्ठा** :– प्लांट खुलना चाहिए।

4. **श्रीमती रामकुमारी कुर्रे, ग्राम–मोहभट्ठा** :– यहां प्लांट खुलना चाहिए।

5. **श्रीमती संगीता, ग्राम–मोहभट्ठा** :– यहां प्लांट खुलना है।

6. **श्रीमती ललिता, ग्राम–मंगुसला** :– प्लांट यहां पे खुलना चाहिए।

7. **श्रीमती अंबिका, ग्राम–रहंगी** :– यहां प्लांट खुलना चाहिए।

8. **श्री प्रशांत वर्मा, ग्राम–गोडही** :– यहां जो प्लांट खुल रहा है उसका मैं समर्थन करता हूॅ। यहां लोकल लोगों को रोजगार मिलना चाहिए।

9. **श्री रामखिलावन, ग्राम–गोडही** :– यहां जो प्लांट खुल रहा है लोकल लोगों को काम मिलना चाहिए।

10. **श्री विकास वर्मा, ग्राम–गोडही** :– कंपनी खुल रहा है और खुलना चाहिए। उसका हम समर्थन करते है। लोकल आदमी है उनको रोजगार की प्राथमिकता देवें।

11. **श्री विजय यादव, ग्राम–बिल्हा** :– प्लांट खुलने वाला है उसका मैं समर्थन करता हूॅ। लोकल लोगों को पहले रोजगार दे।

12. **श्री हिमांशू वर्मा, ग्राम–गोडही** :– मुझे जो प्लांट खुल रहा है, उसमें कोई दिक्कत नहीं है। आम आदमी को रोजगार में प्राथमिकता मिलना चाहिए।

13. **श्री शिवकुमार बंजारे, ग्राम–गोडही** :– प्लांट का समर्थन करत हव। साथ ही साथ ग्राम गोडही मा उपस्वास्थ्य केन्द्र की मांग करत हव शासन से।

14. **श्री बृजेश पाल, ग्राम–बिल्हा** :– प्लांट का मैं समर्थन करता हूॅ।

15. **श्री रिशुपाल, ग्राम–बिल्हा** :– प्लांट का समर्थन करता हूॅ।

16. **श्री तरूण जायसवाल, ग्राम–बिल्हा** :– प्लांट का समर्थन करता हूॅ।

17. **कु0 नेहा वर्मा, ग्राम–गोडही** :– अमेरी–अकबरी में जो प्लांट खुला है उसमें आम आदमी को काम मिलना चाहिए।

18. **कु0 रमा निषाद, ग्राम–गोडही** :– अमेरी–अकबरी में जो कंपनी खुल रहा है उसमें हमें कोई आपत्ति नहीं है। आस–पास के बेरोजगारों को रोजगार मिलना चाहिए।

19. **श्रीमती सोनी वर्मा, ग्राम–गोडही** :– अमेरी–अकबरी में जो प्लांट खुल रहा है, उसका मैं समर्थन करती हूॅ। मेरे को कोई आपत्ति नहीं है। वहां आस–पास के लोगों को रोजगार मिलना चाहिए।

20. **कु0 रमशिला निषाद, ग्राम–गोडही** :– अमेरी–अकबरी में जो प्लांट खुल रहा है उसमें हमें कोई आपत्ति नहीं है। बेरोजगार युवाओं को रोजगार मिलना चाहिए।

21. **श्री शिवा विश्वकर्मा, ग्राम–गोडही** :– अमेरी–अकबरी में जो प्लांट खुल रहा है उसमें कोई आपत्ति नहीं है। गांव के बेरोजगारों को रोजगार मिलना चाहिए।

22. **श्री उमेश कुमार वर्मा, ग्राम–गोडही** :– अमेरी–अकबरी में जो प्लांट खुल रहा है उसमें हम लोगों को कोई आपत्ति नहीं है। जो–जो बेरोजगार है उनको काम मिलना चाहिए।

23. **श्री मनीष वर्मा, ग्राम–गोडही** :– अमेरी–अकबरी में जो प्लांट खुल रहा है उसमें हम लोगों को कोई आपत्ति नहीं है। बाकी बेरोजगारों को रोजगार मिलना चाहिए।

24. **श्री नीलकंठ वर्मा, ग्राम–गोडही** :– अमेरी में कंपनी खुल रहा है मेरे को कोई आपत्ति नहीं है। बेरोजगार लोग को रोजगार मिलना चाहिए।

25. **श्री निखिल वर्मा, ग्राम–गोडही** :– अमेरी–अकबरी में जो प्लांट खुल रहा है उसमें हम लोगों को कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन बेरोजगार युवक को नौकरी मिलना चाहिए।

26. **श्री भानू प्रताप सोनवानी, ग्राम–अमेरी–अकबरी** :– जो क्षेत्र में प्लांट खुल रहा है उसको समर्थन करता हूॅ। क्षेत्रीय लोगों को रोजगार मिलना चाहिए।

27. **श्री समेलाल जांगडे, ग्राम–उटगन** :– अमेरी–अकबरी में जो प्लांट लग रहा है जिसका मैं पूर्ण समर्थन करता हूॅ।

28. **श्री मोतीलाल गेंदले, ग्राम–उटगन** :– अमेरी में जो प्लांट खुल रहा है उसका फूल समर्थन करते है।

29. **श्री महेंदर चेलकर, ग्राम–उटगन, सरपंच** :– अमेरी–अकबरी में प्लांट खुल रहा है उसका समर्थन करता हूॅ।

30. **श्री रामरतन, ग्राम–उटगन** :– जो प्लांट खुल रहा है उसका समर्थन है।

31. **श्री अश्वनी कोसले, ग्राम–बिल्हा** :– अमेरी–अकबरी में जो प्लांट खुल रहा है उससे युवाओं को रोजगार मिलेगा और सब तरफ खुशियाली और तरक्की होगी। इसका मैं फूल समर्थन करता हूॅ।

32. **श्री भरत लाल कोसले, ग्राम–उटगन** :– अमेरी–अकबरी में जो प्लांट बैठ रहा है उसका पूर्ण समर्थन करता हूॅ।

33. **श्री कपूर दास बंजारे, ग्राम–उटगन, पंच** :– मैं अमेरी में प्लांट खुल रहा है उसका पूर्ण सर्मथन करता हूॅ।

34. **श्रीमती शांति जांगडे, ग्राम–उटगन, उपसरपंच** :– मेरे को कोई आपत्ति नहीं है।

35. **श्रीमती सुनीता, ग्राम–उटगन, सरपंच** :– कोई आपत्ति नहीं है। प्लांट खुलना चाहिए।

36. **श्री हरप्रसाद मनहर, ग्राम–उटगन, सरपंच** :– अमेरी–अकबरी में प्लांट खुल रहा है उसके हम समर्थन में है।

37. **श्री नंद कुमार बंजारे, ग्राम–उटगन, वार्ड नं. 02 पंच** :– मैं समर्थन करता हूॅ। अमेरी–अकबरी प्लांट खुल रहा है उसका।

38. **श्री दीपक कुमार सोनी, ग्राम–अमेरी–अकबरी, सरपंच** :– जो अभी प्लांट स्थापना हो रहा है अमेरी–अकबरी में वो हमारे ग्राम व ग्राम के आस–पास के ग्रामीणों को शिक्षा व उनके योग्यता अनुसार रोजगार देगा तो उसका समर्थन करते है। मैं उनके पक्ष में हूॅ और प्लांट जो खुल रहा है उसका समर्थन करूंगा, अन्यथा वे गांव के सहयोग में काम नहीं करेंगे तो मैं उसके विरोध में हूॅ। अगर वो गांव के मूलभूत सुविधा में ध्यान देते है, तब मैं उनका समर्थन करता हूॅ। मैं ग्राम पंचायत

अमेरी–अकबरी सरपंच व मेरे साथ सभी पंच आये हुए है और ये आवेदन है जो मैं ग्राम पंचायत के तरफ से उनको देना चाहूंगा।

39. **श्री दीना प्रसाद ध्रुव, ग्राम–अमेरी–अकबरी, वार्ड क्रं. 05 पंच** :– जो हमारे ग्राम पंचायत अमेरी–अकबरी के सरपंच जो बात बोला है मुझे विश्वास है। उस पर जो हमारी गांव में कंपनी लगेगी, वो अमल करेगा, अपने सरपंच के समर्थन में है।

40. **श्रीमती गौरी भारद्वाज, ग्राम–अमेरी–अकबरी, उपसरपंच** :– जो सरपंच बोले है उसमें समर्थन है।

41. **श्री हरिशंकर गेंदले, ग्राम–उटगन, सरपंच** :– जो दीपक भाई बोले है उसका मैं समर्थन करता हूॅ।

42. **श्री बीना प्रसाद ध्रुव, ग्राम–अमेरी–अकबरी, पंच** :– जो हमारे ग्राम पंचायत के सरपंच बोले है उसके बात में समर्थन है।

43. **श्री रामेश्वर केंवट, ग्राम–अमेरी–अकबरी, वार्ड नं. 02** :– जो सरपंच बोला उसका समर्थन है।

44. **श्री प्रेम ध्रुव, ग्राम–अमेरी–अकबरी, वार्ड नं. 14 पंच** :– हमारे गांव का सरपंच बोला है अमेरी–अकबरी में अगर वो समर्थन देते है तो समर्थन करता हूॅ।

45. **श्री शोभाराम वर्मा, ग्राम–गोडही** :– प्लांट के समर्थन करत हव। साथ–साथ आस–पास के गांव के लईक मन ला रोजगार मिलना चाहिए। उसके साथ–साथ गवर्नमेंट के नियम रखे है कि सी.एस.आर. के अंतर्गत् आस–पास के प्रदूषण प्रभावित गांव ला मूलभूत सुविधा होना चाहिए। शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पेयजल के सबके हमन मांग रखथन। सभी प्रभावित गांव के मूलभूत सुविधा होना चाहिए। सी.एस. आर. के अंतर्गत प्लांट को पर्यावरण के नियम का पालन करना होगा।

46. **श्री राजेश मनहर, ग्राम–गोडही, पूर्व सरपंच** :– अभी जो अमेरी–अकबरी में कारखाना फैक्ट्री खुल रहा है। उसका पूर्ण रूप से समर्थन करता हूॅ। बाकी ये भी निवेदन करना चाह रहा हूॅ कि जैसे शोभाराम वर्मा भैया ने बोला है कि गांव के

आस–पास के मजदूरों को योग्यता के अनुसार कंपनी में काम मिलना चाहिए। कंपनी का मैं पूर्ण रूप से समर्थन करता हूॅ।

47. **श्री दिलेश्वर वर्मा, ग्राम–गोडही** :– अभी जो कंपनी खुल रहा है उसमें 75 प्रतिशत हमारे छत्तीसगढ़ीया भाईयों को रोजगार मिलना चाहिए। मैं कंपनी का समर्थन करता हूॅ।

48. **श्री अवधा प्रसाद लहरे, ग्राम–उटगन वार्ड क्रं. 06** :– कंपनी खुल रहा है उसका समर्थन में हूॅ।

49. **श्री मनीराम साहू, ग्राम–मुरकुटा, भूतपूर्व सरपंच** :– यहां जो अमेरी–अकबरी में प्लांट खुल रहा है। उसका समर्थन करता हूॅ साथ ही साथ प्रभावित गांव है वहां के भी साथियों को फैक्ट्री के काम में लिया जाना चाहिए।

50. **श्री भरतद्वाज, ग्राम–दगौरी** :– आप मन से निवेदन हवय कि जो कार्यक्रम होवत हे ओखर सहयोग प्रदान करा।

51. **श्री निसत महाजन, ग्राम–बिल्हा** :– यहां जो प्लांट खुल रहा है उसका मैं समर्थन करता हूॅ।

52. **श्री संजय ध्रुव, ग्राम–बिल्हा** :– समर्थन हे।

53. **श्री जयपालदास सतनामी, ग्राम–गोडही** :– अमेरी मा कंपनी खुलत हे जहा तक अच्छा हे, सहमति हे। आप मन भी सहमति दे सकत हव। कंपनी गांव के रद्दा हे, रोड हे, हर व्यक्ति के आना जाना हे। अभी जा के देख लेवा कि ऐती बर काम करे जाथन साईकिल से रोड ही नई हे, सहमति देवन चाहत हव तो सबू डाहर ले सहमति हे। रोड के ही सहमति नई हे, अमेरी–अकबरी के रोड के सहमति नई हे, उटगन के रोड के सहमति नहीं हे। हमर गांव मा आये हव, गांव के रोड ला सहमति नई हे।

54. **श्री सुरजीत सिंह चौहान, ग्राम–अमेरी–अकबरी, वार्ड नं. 09 पंच** :– मैं प्लांट के समर्थन करत हव, लेकिन नोवा प्लांट और निको प्लांट से धोखा खा चुके हन, धोखा दिही तो बाद में विवाद होही। आम पब्लिक मन विवाद करही। तेखर से इहू

मन कुछ लिख के दे देवय, प्लांट लगाथ हे ता, हमर तरफ से कोई आपत्ति नई हे, रोजगार मिलना चाहिए, योग्यता अनुसार।

55. **श्री सीताराम ध्रुव, ग्राम–अमेरी–अकबरी वार्ड क्रं. 18** :– अभी जो नई कंपनी खुल रही है। रोड, शिक्षा, जल, प्राथमिक उपचार के लिए इस सुविधा को यदि आप लोग देते हुए कार्य करेंगे तो मैं इस कंपनी के समर्थन में हॅू।

56. **श्री धर्मेन्द्र जांगडे, ग्राम–दगौरी** :– जो प्लांट खुलत हे ओमा मैं फूल सहमत हव। बेरोजगार मन ला रोजगार मिलना चाहिए।

57. **श्री राजकुमार भारद्वाज, ग्राम–दगौरी** :– अमेरी–अकबरी में स्टील प्लांट लग रहा है सहमत हॅू। योग्यता के अनुसार सभी को रोजगार मिले।

58. **श्री मंगलदास भारद्वाज, ग्राम–दगौरी, सरपंच** :– प्लांट खुलत हे सहमत हव। जतक हमर गांव के अड़ोस–पड़ोस के सब पढ़े–लिखे लड़का ला हिसाब से नौकरी देवय।

59. **श्री संतोष कुमार लहरे, ग्राम–रहंगी** :– प्लांट खुल रहा है सहमत हॅू 4–5 दिन हो गया काम करते।

60. **श्री राजू निषाद, ग्राम–बिल्हा** :– प्लांट खुल रहा है उससे हम सहमत है।

61. **श्री उदय कुमार, ग्राम–दगौरी** :– आज 16–17 एकड़ जमीन यहां दे चुका हॅू प्लांट में, घर में बैठा हॅू बहुत बड़ा समस्या हो रहा है। हमको रोजगार नहीं मिल रहा है। बाहर–बाहर से आदमी यहां आकर काम कर रहा है। दिख रहा है कि कंपनी को जमीन देकर आज भी हम बेरोजगार बैठें है। हमको नौकरी नहीं मिलेगा तो हम आवाज जरूर उठायेंगे।

62. **श्री रवि रात्रे, ग्राम–बिल्हा** :– यहां प्लांट खुल रहा है उसका हम समर्थन करते है।

63. **श्री राकेश कुमार, ग्राम–उटगन** :– यहां जो अमेरी–अकबरी में प्लांट खुल रहा है उसमें सहमत हॅू।

64. **श्री सत्य प्रकाश पात्रे, बिल्हा बिटकुली** :– 04–05 दिन हो गया यहां काम करते। प्लांट खुल रहा है उसमें योग्यता अनुसार काम चाहिए। वो भी स्थानीय लोकल आदमी को।

65. **श्री बेदराम लहरे, ग्राम–दगौरी** :– हमारा जो प्लांट खुल रहा है उसमें सहमत है। नोवा हमको इतना दिन हो गया काम में नहीं रखा है, वैसी नहीं होना चाहिए।

66. **श्री रणजीत सिंह सोनवानी, भूतपूर्व सैनिक** :– मेरी उम्र लगभग 50 साल की हो गई है और मैं शिक्षित बेरोजगार हूँ। ये जो प्लांट खुल रही है उसका मैं घोर विरोध करता हॅू और आपत्ति दर्ज कराता हॅू, क्योंकि मुझे ऐसा लगता है कि जिस प्रकार से नोवा आयरन ने मुझे धोखा दिया है, विश्वास में खरा नहीं उतरा है, बहुत ही गद्दारी किया है, सेम टू सेम ये कारखाने का आपत्ति दर्ज कराता हॅू। मेरी उम्र लगभग 50 से 70 वर्ष हो जायेगी, लेकिन जो आने वाला भविष्य है, उस भविष्य को देखते हुए, लिखित तौर पर अगर हमे देते है कि हम यहां पर विकास करेंगे व यहां के बेरोजगार को नौकरी देते है, यहां के शिक्षित बालक–बालिका है, उनकी विकास की ओर अगर कदम उठाते है, तब जाकर समर्थन मिलेगी साहब। तो मेरा अकेला की क्या औकात है यहां पर आपत्ति दर्ज करा के जा सकूं।

67. **श्री मूलचंद बघेल, ग्राम–बरतोरी** :– हम सहमत है।

68. **श्री जीवन लाल, ग्राम–गोडही** :– 52 झन मा 17 झन के नाम आवास में कट गईस।

69. **श्री भूखेलाल दिवाकर, ग्राम–दगौरी** :– कंपनी खुलत हे, आदमी मन ला काम बुता चाही।

70. **श्री दशरथ, ग्राम–दगौरी** :– कंपनी खुलत हे सहमत हव।

71. **श्री प्रेम कुमार गेंदले, ग्राम–उटगन** :– मेरा कहना ये है कि उद्योग तो लगाते जरूर है, लेकिन मेरे गांव में जो उद्योग लगा है, आज 14 साल हो गया है, वही पर है और न किसानो को कोई मुआवजा दिया है और न ही आज तक कोई काम चालू किया है, आज तक हम नहीं जानते ये क्या उद्योग है?

72. श्री ओम प्रकाश जांगडे, ग्राम–उटगन :– अमेरी में प्लांट बैठा रहे हो, अच्छी बात है, हम समर्थन देते है। जो बेरोजगार है उसको रोजगार मिलना चाहिए।

73. श्री दिलहरण बंजारे, ग्राम–उटगन :– सर्वप्रथम मैं ये पूछना चाहत हव कि जितना भी गांव के लईका आये हवय, हम सब जनता के प्रतिनिधि कोन हवय ये जगह, मैं अपने से बात कर रहा हूॅ। जनता के तरफ से प्रतिनिधि कोन हवय। जिला कलेक्टर है या कोई भी? इतने सारे जनता आये हुये हैं, अभी यदि परमीशन नहीं देते है, तो क्या आप दे सकेंगे परमीशन? मेरा समर्थन बिल्कुल नहीं है।

74. श्री राजकुमार साहू, ग्राम–बिल्हा, जनपद सभापति कृषि अनुकल्याण :– आज के जन सुनवाई जो भी कंपनी अमेरी मा खुलत हे, उटगन के भूमि म जनसुनवाई होवत हे, अभी छत्तीसगढ़ महतारी ला कहत हे धान के कटोरा हमार लिये सौभाग्य के बात हे। इतना कंपनी खुले के बाद भी हमर मेर धान कटोरा नई हे। अभी जो कंपनी खुलने वाला हे, मैं ये कहू हमर देहाती म ये पिरपिटिया हे, कइसे पिरपिटिया ह 25–30 साल होय के बाद अजगर बनके बईठे हे अउ उगलना और निगलना चालू कर दिये हे, तब तो हम कुछु नई करे हन। एक और कंपनी अजगर कस सिर्फ बैठे हवय, उगलना अउ निगलना बंद करे हे, ये छोटे से कंपनी अगर खुलत हे, तो हमला परेशानी नई होना चाही। ये भी हमर कंपनी से बात होही के हमर लईका मन ल उखर योग्यता के अनुसार उमन ला नौकरी देवय। जमीन जेखर लिये हे ओला नौकरी देवय। अभी कई झिन कहत हे कि लिफाफा मिले हे, लिफाफा सिर्फ 20–25 दिन काम आही, लेकिन हमर लईका ला नौकरी देही तो तीन पीढी याद रखही। त हमर तीन पीढी ल देखत, खुलत हे कंपनी ऐला रिकवेस्ट और प्रार्थना करत हन के योग्यता के अनुसार हमर लईका मन ल, हमर क्षेत्र के जनता ल नौकरी देवा। नोवा मा हमर ऊपर से लेकर, बड़े से लेकर भिखारी तक भी फायदा उठात हे। एक टमाटर बेचने वाला भी फायदा उठावत हे। हमर खेती तो नई हे, नोवा द्वारा कम से कम 300–400 एकड़ खरीदे जा चुके है, लेकिन हमर रक्षा म नई लिये हे न सुरक्षा म लिये हे। जेखर से हम सब किसान पूरा धान उत्पादन नई करत हन। हमर पास ये उटगन, अमेरी, दगौरी म जमीन कहां हे? अभी लगत हे दिखत हे। अगर छेक लेही नोवा हा, अगर ऐती निको अपन पूरा जमीन खरीद के छेक लेही, त जमीन ही नई हे। ऐखर से अच्छा हे, जमीन नई हे, भईया हमर मन लंग, हमर लईका मन लंग, ऐही कोती के ल रोजगार देवव, जेन–जेन विषय म आपके लायक हवय, वो हिसाब से हम रोजगार के प्रार्थना करत हन। दूसरा चीज जेन प्रकार से नोवा म बैइठे हे, मालिक ल तो रहना हे दिल्ली म,

अउ यहां जेला भी डायरेक्टर अउ मैनेजर बनाथे, वो डायरेक्टर अउ मैनेजर ह मनमानी करथे। यहां जो भी होही अधिकारी सुनत होही मोर रिकवेस्ट अउ प्रार्थना हे, वो मालिक होही ओखर त, डायरेक्टर व मैनेजर ऐसे चुन के जाहा जो हमर क्षेत्र के जनता से आसानी से बात कर सकें। आसानी से ओला कंपनी म प्रवेश दे सकें। अभी जैसे जाबे नोवा म, जब तक आधा घंटा गेट म रोकही नही तब तक जाये नई देवय, आदमी के पहचान करव, जाये के रास्ता खोलव, हम आपके साथ हन, आप हमर साथ रहव। जब तक हम मिलजुल के काम नहीं करबो तब तक समस्या के निदान नई होवय। ऐखर सेती मैं अभी जो कंपनी बहुत छोटा रूप मा निष्पादित करने वाला हे, तो मै इतना ही कहना चाहत हव के, भाई मैं तो विरोध नहीं कर सकव, अउ समर्थन तो दे नई सकव, तो काय करव? मतलब समझ लीजिए समर्थन ही है। विरोध तो कर नई सकव, इतना सब जुड़े हे, कंपनी पहले अजगर ला बैठाये हे, ऐती एक अजगर बैठे हे, करहू त का करहू? त मोर तरफ से समर्थन हे, मोर रिक्वेस्ट और अंतिम बार प्रार्थना हे कि जेन भी मालिक हे, वहां तक बात पहुंचे, जनता ला योग्यता के अनुसार नौकरी म रखय, अउ जेखर भी खेत लेवत हवय ओखर नौकरी दिये के आप गारंटी देवा। तीसरा जो भी आप डायरेक्टर या मैनेजर बनाहा ओला अईसे आदमी ला बनाहा, वो हमर क्षेत्र के जनता के एक–एक शब्द सुने, अउ समझे और विषय मा सही जानकारी देवय।

75. **श्री अजय भारद्वाज, ग्राम–दगौरी** :– मैं कंपनी खुलत हे समर्थन करत हव। साथ म कंपनी के मालिक से निवेदन करत हव कि बेरोजगार मन ला योग्यता के हिसाब से नौकरी देवय।

76. **श्री भास्कर वर्मा, ग्राम–गोडही** :– युवाओं के रोजगार कों ध्यान में रखते हुए व महिलाओं के विकास को ध्यान में रखते हुए इस कंपनी को अपना समर्थन देता हूॅ।

77. **श्री मोहन लाल वर्मा, ग्राम–गोडही** :– आपमन के द्वारा 21 ग्राम पंचायत ला जन सुनवाई कार्यक्रम मा बुलाये गये हे, तो मंचासीन अधिकारी से मै ये जानना चाहता हूॅ कि जन सुनवाई में 08 से 10 गांव के आदमी ह नजर आवत हे। आप मन से यही अनुरोध हे कि ये जन सुनवाई होवय, प्लांट भी लगे, लेकिन ये हमन के 21 पंचायत की सूची जारी करे हव ओमा मूलभूत सुविधा को ध्यान में रखते हुए ये कंपनी के निर्माण होना चाहिए। सड़क, बिजली, पानी, पर्यावरण, शिक्षा सब चीज में सुविधा का हमेशा ध्यान में रखना चाहिए। नोवा प्लांट खुले हे सारी चीज अभी भाई बोलीस हे, वो बिल्कुल सही बोलत रहीसे हे। वो जन सुनवाई म हमन रहेन, वो

सारी चीज बोले के बावजूद भी कोई मूलभूत सुविधा में आज तक ध्यान नहीं दिये हे, तो मंचासीन अधिकारी से बिनती हे कि सारी मूलभूत सुविधा को ध्यान में रखते हुए ये क्षेत्र के युवा भाई मन पढ़–लिख के तैयार हो चुके हे बाहर–बाहर जिये–खाये बर क्षेत्र के आदमी मन ह पलायन होथे, हमरो लईका पढ़–लिख के तैयार हो चुके हे। आप सब झन मंचासीन अधिकारी मन ये बात ला ध्यान म रखव, प्लांट खुलना चाहिए, मोर सहयोग हे, लेकिन हमर क्षेत्रीय लोगों को प्राथमिकता से काम में मिलना चाहिए। योग्यता के अनुसार ये प्लांट म काम नई मिलत हे त पलायन करत हे, जबकि हमर क्षेत्र के लईका मन अच्छा पढ़–लिख के काम करे के हुनर रख चुके हे, जबकि वो बड़े पद ल हमर क्षेत्रीय आदमी मन न नई मिलत हवय, तो अधिकारी मन से यही विनती हे कि हमर क्षेत्र के आदमी मन ला अधिक से अधिक काम मिले, हमर क्षेत्र के आदमी मन ला अच्छा रोजगार मिले। बाहर जिये–खाये ल जाये के मौका मत दिये जाये। प्लांट खुले हमर क्षेत्रवासी मन ल रोजगार मिले।

78. **श्री चंद्रप्रताप तिवारी, ग्राम–गोडही, सरपंच** :– जहां तक प्लांट की बात है वो अच्छा चीज है। प्लांट खुलना भी चाहिए और काम मिलना भी चाहिए। ये हमारे सब भाई बोलते है, जब तक काम नहीं मिलेगा लोगों को, हमारे भाईयों को हमारे क्षेत्र के जहां तक की बात है, हर क्षेत्र में प्लांट खुलना जरूरी है, क्योंकि हमारे क्षेत्र का विकास, हमारी युआवों का विकास है, जब हमारे क्षेत्र की जनता सब एक साथ रहय, बाहरी आदमियों को नियुक्त कर देते है काम के लिए, ये नहीं चाहते हमारे क्षेत्र के आदमी आगे बढे, भाई कोई भी इंजीनियर बनता है, बाहर का आदमी काम करता है। हमारे यहां भी तो पढ़े–लिखे इंजीनियर हे, आज हम यही चाहते है कि जो भी हमारे प्लांट में काम होता है वहां हमारे क्षेत्रीय आदमी होना चाहिए। ये अनिवार्य है, ये जरूरी है, मैं मजदूर हूँ, इंजीनियर हूँ, हमारे यहां भी पढ़े–लिखे आदमी हर प्रकार के आदमी हे। मैं इस प्लांट के लिए किसी को कोई मनाही नहीं कर रहा हूँ, ईमानदारी से खुलना भी चाहिए, ताकि क्षेत्र की जनता का विकास भी हो।

79. **श्री मोहन श्रीवास, ग्राम–पौंसरी** :– कंपनी के समर्थन करत हव। बेरोजगारों को नौकरी मिलना चाहिए।

80. **श्री रवि घृतलहरे, ग्राम–पौंसरी, सरपंच प्रतिनिधि** :– कंपनी के समर्थन तो करत हव, लेकिन काम म हमर गांव के आदमी मन ला लेहे बर, समय में पानी के लिए

मांग करबो, ये सब बात बोलते हुए कहत हव कि काम हमर आदमी मन ला मिलना चाहिए। पानी, बिजली सब के समस्या का समाधान होना चाहिए।

81. **श्री विरेन्द्र कुमार टंडन, ग्राम–दगौरी** :– आप मन से मैं निवेदन करत हव अउ ये पत्र ल लिख के लाये हव, सोझे के नई लाये हव, मैं आप मन से निवेदन करत हव के ये आस–पास में प्लांट लग चुके हे, आज ऐला 35–40 वर्ष हो चुके हे। जेमा मानव संसाधन विभाग के बहुत बड़ी लापरवाही चलत हे, काबर के हमर प्लांट म काम लगत हे, ओमा कोनो प्रकार के सुविधा नई मिल पावत हे। ई.एस.आई.सी. अउ और पी.एफ. कट जावत हे, ये हमन ल 30–31 दिन ड्यूटी करावत हे। ऐला आप मन ध्यान म रखव। दूसरा प्लांट लगाये के कोशिश करूहू त मैं प्लांट लगाये के आप मन के समर्थन म नई हव। अईसे वाला कोई बात नई हे, आप मन प्लांट खोलव ओहू ओखर समर्थन म हव। ये प्लांट लग चुके हे, महोदय ऐमा बिल्कुल आप मन कार्यवाही करव। आज हमला 40 वर्ष हो चुके हे, वो प्लांट म मैं भी काम करथव, जानथव, सुनथव व समझथव। प्लांट लगाना अच्छा बात हे, आस–पास के लईका मन ला रोजगार मिलही। हमन बिल्कुल आप मन के समर्थन म हवन। ये प्लांट लग चुके हे ऐला आप मन बिल्कुल ध्यान म रखव, अउ जाकर सर्वे करव कि का परेशानी हवय अउ का होवत हे? हमला 04 छुट्टी मिलना चाहिए, लिखित म भी देये हवय, लेकिन नई देवत हे। ऐला आप बिल्कुल निश्चित ध्यान म रखव महोदय, आप प्लांट बिठावत हव, बिल्कुल समर्थन करत हन। अच्छा बात हे आस–पास डैव्हलपमेंट होही, अउ सब लईका मन ला रोजगार मिलही।

82. **श्री अक्षय टंडन, ग्राम–दगौरी** :– हमर दगौरी गांव म खुले हे नोवा प्लांट, वोमा जैसे कि जाबो तो वहां बोलथे कि आप मन लोकल आदमी हव यहां पर काम म नई रखन, वहां से भगा दिये जाथे। मैं यहां ये बोले बर आये हव के मैं आपत्ति करत हव कि प्लांट नहीं खुलना चाहिए। खुलना चाहिए तो विधि के साथ खुलना चाहिए। बाहरी आदमी ल छोड़ के गांव के आस–पास के आदमी ल प्लांट के काम म रखना चाहिए। जो पढ़े हे ओखर हिसाब से।

83. **श्री उमेश वर्मा, ग्राम–गोडही** :– कंपनी खुलने का मैं समर्थन करता हूँ।

84. **श्री गणेश दिवाकर, ग्राम–गोडही** :– कंपनी जो खुलत हे समर्थन म हव, हां लेकिन एक शर्त हे, भाई हमर यहां के नव युवक लईका मन पढ़े हे, ओला पहली प्राथमिकता देहा, पहली हॉ बोल देथा फिर बाद म धोखा देथा। कंपनी खुल गये

फिर गये, ऐला तो लिखित म देना पड़ही, ये नहीं कि खुल गये कंपनी फिर भगा देहा छत्तीसगढ़ीया मन ल, अउ यू.पी., बिहार के आदमी यहां आ घुस जाये। ठीक हे कंपनी खुलय अच्छा बात हे, समर्थन हे, हमर लईका मन ला काम मिलना चाहिए।

85. श्री मिलनदास सोनवानी, ग्राम–उटगन :– छत्तीसगढ़ के बिल्हा क्षेत्र म कंपनी बिठावत हव, जमीन ह खत्म हो जाही, धान कहां से होही? सरकार चांवल देवत हे, तो कहां से चांवल लाके देही? काम बुता करे नई सकव, लईका मन पढ़े–लिखे नई हे, काम बुता ल जाने नहीं। खेती काम ल जानथन, त खेती के काम ल खत्म कर देहा, धान कहां से उपजही? चांवल खा के छत्तीसगढ़ के आदमी रहीथे। गेहूं, ज्वार, बाजरा खा के अपन जीवन यापन करथे। छत्तीसगढ के आदमी के पूरा जमीन खत्म हो जाही, तो धान कहां से पैदा होही? ऐखर नाम से बोलत हव कि जमीन खरीद करके कंपनी बैठाना चाहत हे। गवई के आदमी साग–सब्जी, गेहॅू, ज्वार, बाजरा के सिर्फ खेती करना जानत हे। एकलमशीन के काम करना नई जाने। ऐखर से निवेदन करत हव कि सिर्फ साग–सब्जी लगावय अउ खेती के काम ल गवई के आदमी करना जानथे, मैं आपत्ति नई कर सकव भईया। सब आदमी के सहमति हे, त मोरो भी सहमति हे, लेकिन हमर गवई म खेती करथन, खेती के काम ला हमन जानथन अउ सरकार हा फ्री म चांवल देवत हे। ऐसी बिल्हा क्षेत्र के जमीन खत्म हो जाही, तो कहां से सरकार हमला चांवल देही? हमन धान ला निकाल के सोसायटी म बेच देथन, त हमला धान ला कूटवा के चांवल ला देथे, तो ऐखर नाम से मैं कहना चाहत हव कि जो भाई 50 एकड़, 100 एकड़ जमीन बेचे होही, ओमा सिर्फ साग–सब्जी के खेती के काम करव।

86. श्री अजय वर्मा, ग्राम–गोडही :– बेरोजगारी को देखते हुए मैं अपना समर्थन देता हॅू।

87. श्री रविन्द्र कुमार डहरिया, ग्राम–उटगन :– जो कंपनी खुल रहा है उसका मैं समर्थन करता हॅू।

88. श्री सुंदरलाल वर्मा, ग्राम–गोडही :– हमारे गांव में बिल्हा क्षेत्र के अंदर में कम से कम 05 प्लांट खुल चुका है। मैं तो नोवा में 40 साल तक ठेकेदारी किया। मंगल स्पंज में भी काम किया। इसके अलावा साकेत में भी प्लांट खुला है, यहां भी मैं हमेशा आना–जाना करता हॅू। वहां के कर्मचारी से अन्यथा बात मैं नहीं करता हॅू,

देखिये भैया आप की जनसुनवाई इतने बड़े हमारे मजदूर संघ ग्राम पंचायत में जो सरपंच है, तहसील है, पटवारी है, सुरक्षा विभाग के जो पुलिस अधिकारी है, यातायात विभाग है, ये सभी लोग इस कार्यक्रम में सम्मिलित है। देखो एक ऐसी विडम्बना है, छोटे से 50 एकड़ के प्लांट में इतनी बड़ी विडम्बना बनाके आप लोग ये जन सुनवाई करा रहे है। हम चाहते है कि ठीक है, हम लोग आप लोगों की व्यवस्था में सहयोग करे, लेकिन हमारे जो छोटे–छोटे जो मजदूर है, किसान है, किसान खेती बेच के प्लांट को दे देते है। आगे–आगे प्लांट लगा है, जायसवाल निको से बात किया हूँ, अभी खड़ा हुआ है, इससे किसान रो रहे है। जमीन बेच दिये है, जमीन का कोई बात ही नहीं हो रहा है। उसका प्लांट चालू नहीं हुआ है। ये क्या बात है, इसके लिए आप आगे क्यू नहीं बढ़ते है? अब ये छोटा प्लांट बैठायेंगे 50 एकड़ में आप लोग इतने बड़े आवेदन किये है। महोदय से निवेदन करूंगा कि आप प्लांट पर पुनः विचार करें, आगे प्लांट का पुनः निरीक्षण करें। मैं चाहता हूँ कि प्लांट बिल्कुल बंद करीये। हमारे छोटे छत्तीसगढ़ में 50 एकड़ में क्या प्लांट लगेगा? कितने आदमी सेवा दे सकेंगे? कितने किसान सेवा दे सकेंगे? वो तो किसान पैसा पा के आज जानते है आप कि, कभी भी उसके बच्चे भूख से नहीं मरेंगे। ये उटगन की कहानी है, एक–एक कर उटगन में आप निरीक्षण करेंगे, एक–एक किसान के पास जाईये। आप वो प्लांट पड़ा हुआ है, जायसवाल से खुद उसके मालिक से बात किया था सामने बैठ कर, वो घोटाला में है ये भी प्लांट घोटाला में है तो हमारा क्या होगा? प्लांट बिल्कुल नहीं खुलना चाहिए। जब तक आगे प्लांट का निरीक्षण नहीं होगा, प्लांट खुलने नहीं देंगे। हमें नहीं चाहिए रोजगार बिल्कुल।

89. **श्री तुलसी गेंदले, ग्राम–भैसबोड़** :– मैं नोवा प्लांट में काम करता हूँ। कब तक प्लांट खुलही? खेत तो चाही, हमर खेती करे बर। प्लांट खुलत हे, ओला बंद करावा। निको हे, निको ला चालू करावा, ऐला आधा अधूरा छोड़ दीस। खेत ऐसने बर्बाद जाही, ठीक हे खोलत हे, अच्छी बात हे, मगर समर्थन भी है, विरोध भी है। समर्थन ये है कि यहां हमर मजदूर मन काम करही, काम करबो, हमन काम करबो, कंपनी बनत हे, तीरे–तीर रोड़ डालही, रेल्वे, हिन्दुस्तान कोल वॉशरी हमर गांव से ही चल दिस ना, ये खुलही ना, त हमर 04–05 ठीक रेल लाईन खेत म जाही। ऐखर नक्शा देखे हव, पूरा प्रोजेक्ट देखे हव, गांव के पूरा आधा खेत जावत हे, आधा अधूरा अगर ये रईही तो हमन खेती बाड़ी नई कर सकन। यहां बच्चा–बच्चा मन कती बर के जमीन म घर बनाही। ऐला देखना हे, अउ महोदय जी आपसे निवेदन हे के मोर गांव तरफ से एक बात बोलत हव, हमर गांव एकदम पिछड़ा हे,

चिखला–पानी भरे हे, माड़ी–माड़ी भर। आपसे बिनती हे महोदय, पूरा गांव भैसबोड़ के मन आये हे।

90. **श्री राजकुमार कोसले, ग्राम–निपनियां, सरपंच** :– प्लांट खुलना अलग चीज हे, सब बोल देते है कि प्लांट लगाने के बाद ऐसा करेंगे, वैसा करेंगे। पहले आप पेड़–पौधा इतना लगाओ कि जो भी कार्बन उत्सर्जन होता है प्लांट से उसके लिए, मैं भी प्लांट में काम करता हूँ, इतना कार्बन उत्सर्जन होता है कि उसके बाद भी आप परमीशन देते हो। स्थानीय लोगों को परमानेंट रोजगार मिलना चाहिए, वो लिखित में होना चाहिए। ग्राम पंचायत का विकास को झॉक के देखने वाला कोई होता नहीं है, न शिक्षा का व्यवस्था रहता है, ना स्वास्थ्य का। इंग्लिश में बोला गया है, ''हेल्थ इज वेल्थ'' अगर स्वास्थ्य सही है तो उससे बड़ा धन नहीं है। कार्बन उत्सर्जन का क्या है, आक्सीजन का लेबल डाऊन हो रहा है। कार्बन का परसेंट बढ़ रहा है, तकलीफ बढ़ रहा है, एक से एक बीमारी आ रहा है, ये बहुत सारा चीज है, इसमें जल प्रदूषण होना है, वायु प्रदूषण होना है। रोकथाम के लिए लिखित में होना चाहिए, तभी वो प्लांट को परमीशन दिया जाये। दूसरा चीज हमारे छत्तीसगढ़ के अधिकारी है, एयर पॉल्यूशन चेक करने जाते है तो चेक करते नहीं है ठीक है, बहुत सारे सरकारी नियम है, फॉलो नहीं करते है, प्लांट में बहुत सारा चीज है, जो मौखिक नहीं लिखित में होना चाहिए। लिखित में होने के बाद ही प्लांट का परमीशन होना चाहिए।

91. **श्री भुपेश कौशिक** :– 40 साल हो गए हे नोवा प्लांट, तब के ठेकेदारी चलत हे मोर। लेबर ह 02 दिन जाथे अउ 03 दिन बाद निकाल देथे, ऐखर ठेकेदार जवाबदार हे, नोवा प्लांट जवाबदार हे। मूलभूत सुविधा नोवा प्लांट दिये हे का? करही–दगौरी बर आस–पास के एरिया बर, अभी नवा प्लांट आथे का सुविधा देही हमर बर? निको जायसवाल ह अतका दिन हो गये हे, 01 साल चलाईस हे ओखर बाद नई चलावत हे। ऐखर जवाबदार कोन हे? कोई बात नई उठावत हे। नोवा प्लांट म, जितना भी ठेकेदारी बाले काम हे ओला खत्म करके परमानेंट नौकरी देहा, ऐखर बाद म समर्थन हवय। ठीक हे अभी नवा प्लांट आवत हे अभी जन सुनवाई म पंचायत म कोई सुनवाई नई हे, सरपंच ह हाका नई परवाये हवय के गांव म ये जनसुनवाई हे।

92. **श्री बिहारी केवट निषाद, ग्राम–गोडही** :– सहमति चाहत हव।

93. **श्री सुनीता वर्मा, ग्राम–गोडही** :– अमेरी म कंपनी खुलत हे, समर्थन करत हव, लेकिन पढ़े–लिखे लईका मन ल रोजगार मिलना चाहिए। बहुत दूर–दूर जाके काम करथे। काम यहीं मिलय।

94. **श्रीमती सावित्री वर्मा, ग्राम–गोडही** :– अमेरी–अकबरी म कंपनी खुलत हे, मैं सहमत हव लेकिन बेरोजगारों को काम मिलना चाहिए। 10वीं तक स्कूल है, ओला 12वीं तक करे के कोशिश करहा, लईका मन ला पढ़े बर जाये म सुविधा होही।

95. **श्री गिरधारी लाल निर्मलकर, ग्राम–अमेरी–अकबरी** :– फैक्ट्री खुल रहा है, उसमें हमारे क्षेत्र के बेरोजगार लड़का मन ल नौकरी दिया जाये और मैं समर्थन करता हॅू।

96. **श्री सरवन डहरिया, ग्राम–भैसबोड** :– प्लांट खुलने से फायदा है, पर यहां रोड़ है, यहां रोड में गर्मी के दिन पानी भी नहीं डालते है, पूरा डस्ट उड़ता है। बिल्हा मोड़ से बिल्हा आते तक इतना कष्ट होता है कि आंख में डस्ट उड़ता है। खासकर पानी नहीं डालते है। प्लांट में नौकरी देंगे बोलते है, चले जाओंगे तो बेरोजगार को नहीं रखते है, बोलते है कि अनुभव लेकर आईये, यहां रखोगे तो ही अनुभव मिलेगा ना? नौकरी में नहीं रखोगे तो कहां से अनुभव मिलेगा? कौन से फैक्ट्री में मिलेगा? मैं रायगढ़–खरसिया फैक्ट्री में काम किया हॅू, सर्वेयर हॅू, जैसे सिविल का काम होता है, उसके बाद भी कंपनी से निकाल दिया जाता है। बाहर जाओगे तो काम मिलेगा लेकिन कंटीन्यू रखो ना, कुछ हादसा हो जाता है तो घर वालो को पैसा नहीं मिलता है, लाभ नहीं मिलता है। दर–दर भटकता है, यहां–वहां भटकता है और बोलते है प्लांट में लाभ मिलता है। यहां हॉस्पिटल का भी सुविधा नहीं है, जाओगे तो एक भी डाक्टर नहीं मिलता है। आस–पास गांव–गांव स्कूल में भी साफ–सफाई नहीं होता है। ये कंपनी सुविधा करता है, यहां पी.एफ. का भी पैसा नहीं मिलता है। हम 12–12 घंटा ड्यूटी देते है। कंपनी में इतना सब हो रहा है और प्लांट को खुलना चाहिए, ये सब बोल रहे है, लेकिन मेरे अनुसार प्लांट नहीं खुलना चाहिए।

97. **श्री मनोज लहरे, एडवोकेट, ग्राम–डोडकी** :– महोदय, यहां 20 साल पहले योजना आया था, लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी गई थी। लगभग 3–4 साल के बाद उसको गवर्नमेंट ने वापस ले लिया गया था और पुनः उसी प्रकार योजना यहां पर नाम परिवर्तित करके पुनः आई हुई है, महोदय जन सुनवाई हो रही है, भूमि अधिग्रहण भू–अर्जन के नियमों के विपरीत है। यहां पर जनसुनवाई हो रही है, किसी गांव में चस्पा नहीं कराया गया है। यहां तक की समय पूर्व मुनादी नहीं हुई है,

किसी–किसी गांव मैं कल ही मुनादी हुई है, ऐसी स्थिति में किसान अपने विचार एक दूसरे से विमर्श नहीं कर पाये है। बरसाती सीजन में हमारे यहां कृषि कार्य किया जाता है, ऐसे स्थिति में बहुत सारे किसानों को इसकी जानकारी भी नहीं है, किसान यहां आ नहीं पाये है, ऐसे उद्योग लगने से यहां के किसान प्रभावित होंगे और कृषि करने योग्य यहां पर भूमि नहीं बचेगी। इसलिए इस प्रकार से जो खुलने वाले उद्योग है, इसको तत्काल प्रभाव से इनको निरस्त किया जाये। इस प्रकार की जन सनुवाई एक तरफा जन सुनवाई हो रही है। इसमें अधिनियम के और सुप्रीम कोर्ट के गाईड लाईन के नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है, ऐसी परिस्थिति में लोक सुनवाई एक तरफा हो रही है। यहां पर 500 से ज्यादा पब्लिक की क्षेत्रीय आबादी नहीं है, ऐसी स्थिति में माननीय हाईकोर्ट में पी.आई.एल. लगाया जायेगा। महोदय किसानों के लिए भारतीय संविधान और देश की कानून व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए यहां पर कार्य की आवश्यकता है। महोदय यहां बहुत सारे प्लांट नोवा है, निको है, मंगल है, बहुत सारे प्लांट है, यहां के क्षेत्रीय लोगों को रोजी–मजदूरी करने वाले छोटे मजदूर कर्मचारी के तौर पर ही रखा जाता है, जबकि हमारे क्षेत्र में महोदय यहां पर टेक्नीकल लाईन की बात करे तो बी.ई., एम.ई., बी.टेक., एम.टेक. किए लोग है, जो इलेक्ट्रिकल में, मैकनिकल में, सिविल में है, लेकिन फिर भी यहां पर बाहर के लोगों को लाया जाता है। कही न कही यहां बाहर के लोगों को काम दिया जाता है। हमारे लोगों को यहां पर बनिहार बनाया जाता है, मजदूर बना दिया जाता है, आज तो हम अपने खेती करने के मालिक है। हमारे खेती करने का अधिकार हमसे न छींना जाये, हम खेत के मालिक है, खुश है। इसलिए आगे देखते हुए महोदय हम यह कहना चाहेंगे कि इस प्रकार की किसी भी प्लांट से हमारे क्षेत्र की जनता खुश नहीं है। यहां 5 प्रतिशत की सहमति को लेकर इसे क्षेत्र की सहमति न माना जाये। यदि नियमो के विपरीत जाकर भी जन सुनवाई को सफल माना जाता है, माननीय उच्च न्यायालय, छत्तीसगढ के शरण हमको लेना पड़ेगा।

98. श्री प्रदीप कुमार घृतलहरे, ग्राम–अमेरी–अकबरी :– अभी वर्तमान में नोवा दगौरी में काम करता हूॅ, 5 साल हो गे हे काम करत, उसमें लोकल आदमी को प्राथमिकता नहीं दिया जाता है, जो बाहर से आये रहता है, उसको काम में रखता है, कुछ भी काम नहीं रहता है उसका, 30,000 से 35,000 रूपये वेतन दिया जाता है, हम लोग लोकल है, हमारे खेत को लेकर हमको 8,000 से 9,000 रूपये वेतन दिया जाता है। इसलिए मैं इस कंपनी खुलने का विरोध करता हूॅ।

99. **श्री मुकेश निषाद, ग्राम–दगौरी** :– हम समर्थन करत हन, लेकिन युवा शिक्षित लईका मन ल ज्यादा से ज्यादा रोजगार मिलय।

100. **श्री संतराम ध्रुव, ग्राम–दगौरी, उपसरपंच** :– हमन बर बहुत खुशी के बात हे कि कंपनी खुलत हे यहां, लेकिन एक शर्त में कंपनी खुलना चाहिए, लिखित में होना चाहिए कि हर गरीब आदमी को काम मिलना चाहिए, काबर के खेत ल वादा करके ले लेथे, फिर कंपनी बैठाकर के ओखर बाद चल देथे। गांव म सुविधा देबो बोल के सुविधा भी नहीं देवये, न कभू पानी की सुविधा दे पाये, न कभी शिक्षा के क्षेत्र में सुविधा दे पाये, ले देके कुछ काम करा देथे तहा ले पल्ला झाड़ लेथे। महोदय मन से निवेदन हे के यहां बइठे सभी कलेक्टर, तहसीलदार, जितना भी पदाधिकारी हवय उनसे खास निवेदन हे के ये बात बिल्कुल ध्यान देवव, बिल्कुल लिखित रूप म कंपनी दे, अन्यथा मत देवव।

101. **श्री राजेन्द्र कुमार मरकाम, सरपंच प्रतिनिधि** :– मैं इस कंपनी का समर्थन करता हूॅ। बेरोजगार युवाओं को रोजगार मिले।

102. **श्री राजेश कुमार पात्रे, ग्राम–अमेरी–अकबरी** :– इस कंपनी का समर्थन करता हूॅ। जो युवा बेरोजगार है, उसे नौकरी मिले।

तत् पश्चात् लगभग अपरान्ह 01:45 बजे अतिरिक्त कलेक्टर एवं पीठासीन अधिकारी, कार्यालय कलेक्टर, जिला–बिलासपुर द्वारा लोकसुनवाई सम्पन्न होने की घोषणा की गई।

लोकसुनवाई स्थल पर लिखित में 03 आवेदन पत्र सुझाव/विचार/टीका–टिप्पणी प्राप्त हुई। स्थल पर उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति को परियोजना के संबंध में मौखिक एवं लिखित में सुझाव/विचार/टीका–टिप्पणी एवं आपत्तियां अभिव्यक्त करने का अवसर दिया गया। लोक सुनवाई के दौरान 102 व्यक्तियों के द्वारा मौखिक सुझाव/विचार/टीका–टिप्पणी एवं आपत्तियां अभिव्यक्त की गई, जिसे अभिलिखित किया गया। लोक सुनवाई में लगभग 250 व्यक्ति उपस्थित थे। उपस्थिति पत्रक पर कुल 34 व्यक्तियों द्वारा हस्ताक्षर/अंगूठा लगाया गया। आयोजित लोक सुनवाई की वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी कराई गई।

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल,
बिलासपुर (छ.ग.)

अतिरिक्त कलेक्टर एवं पीठासीन अधिकारी,
कार्यालय कलेक्टर,
जिला–बिलासपुर (छ.ग.)